शोध सारांश

"हिंसा की क्रूरतम अभिव्यक्ति :सामूहिक बलात्कार" विषय के अंतर्गत आज हिंसा की वीभत्स से वीभत्स और क्रूर से क्रूरतम घटना देखने को मिल रही है जिससे महिलायें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कभी शारीरिक तो कभी मानसिक रूप से प्रभावित हो रही है |समाज में आज भी महिला का चरित्र उसके अस्तित्व का प्रश्न है |समाज की संरचना में पितृसत्ता अपने बल और सत्ता शक्ति के साथ आज भी मौजूद है जिसमे महिलाओं के प्रति हिंसा एवं बलात्कार जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है|

एन.सी.आर.बी से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के कुल दर्ज घटनाए जहाँ 2013 में 2,95,896 थे वहीँ 2014 में बढ़कर 3,25 327 हो गये |जो चाहे बड़े शहरों में घट रहे आपराधिक मामलों के रूप में हो या हिंसा में सबसे क्रूरतम रूप में हो बलात्कार की सबसे अधिक रिपोर्ट दर्ज की गयी और पिछले वर्षों के मुकाबले बढ़ी है |

महिलाओं के विरुद्ध बढ़ रही हिंसा के मनोवैज्ञानिक कारणों का जाना गया जिसमे पता चला कि आज भी बालात्कार की घटनाएँ इसलिए की जा रही है ताकि समाज में वर्चस्ववादी प्रवृति को विकसित कर सके अपने शक्ति, बल, प्रतिशोध का प्रचार –प्रसार एवं अपना नियंत्रण बने जा सके |किशोरावस्था में लैंगिक असमानता के कारण आपराधिक प्रवृति का बढ़ना जिसमे यौन शिक्षा का अभाव तथा जिज्ञासा, कामइच्छाओं पर नियंत्रण एवं संयम रखने के कारण ,पुरुष –महिला की सायकोसेक्सुअलिटी में अंतर होना ,शराब का सेवन करना , अश्लील साहित्य ,समाज में यौन-शुचिता को घर की इज्जत से जोड़ना , असंतुलित विकास, शहरीकरण, प्रवासन जैसे कारणों का होना |

इसके अतिरिक्त राज्य, मीडिया, समुदाय, कानून, में महत्वपूर्ण परिवर्तन की आवश्यकता है |जिसमे राज्य द्वारा बने गयी नीति –नियमों का निर्धारण करना और उसका क्रियान्वयन सही समय पर करने में आ रहे अंतर को समाप्त करना महत्वपूर्ण है| राजनितिक बयानबाजी से बचना और अपने हित के बजाय समाज हित की तरफ बढ़ना |

मीडिया का समय –समय पर सामाजिक,राजनितिक ,आर्थिक कारणों के अनुसार सकरात्मक एवं नकरात्मक भूमिका का निभाना इसलिए आवश्यक है कि मिडिया उन घटनाओं को सही ढंग से पेश करती है जो समाज की मानसिकता को प्रभावित करती है |जिससे समाज में संवेदनशीलता बढ़े|

समुदाय द्वारा अपनाए जा रहे कट्टर विचारधारा को अपने तानाशाही रवैये से उसे पुरे समुदाय के लोगों पर थोपा जाना उसे जबरन उस समुदाय द्वारा पालन करवाना यदि उसका किसी के द्वारा उलंघन किया जाता है या विरोध किया जाता है तो उसके प्रति हिंसा या शोषण का रुख अपनाना|

कानून व्यवस्था दवरा नए कानून बनाना और उसके संशोधन करने से कोई सुधर नहीं आने वाला है आवश्यक है उसके सटीक क्रियान्वयन की ओर संवेदनशीलता की जो पीडिता को न्याय दिला सके | अंत में क्षेत्र कार्य के दौरान किये गये सर्वेक्षण, अवलोकन, विशेषज्ञों से बातचीत से नये तथ्यों की जानकारी मिली | जो समाज में पीडिता की स्थिति या सामान्य महिला के लिए आवश्यक है | उत्तरदाताओं के जवाब से ज्ञात हुआ कि समाज में व्याप्त विरोधभास के कारण बड़े द्वंद्व की स्थिति है |यह महिलाओं के सन्दर्भ में इस तरह है कि समाज चाहता है कि महिलाओं का विकास हो पर वह भी उनकी सीमा के अंदर |उदा-एक आदर्श महिला कैसे होनी चाहिए में अधिकांश उत्तरदाताओं ने यह जवाब दिया कि वह बुद्धिमान हो साथ ही वह चरित्रवान भी होनी चाहिए |लड़का लड़की अच्छे दोस्त हो सकते है पर शारीरिक सम्बन्धों को लेकर कोई स्वतंत्रता नहीं है |अभी भी महिला का बाहर से घर लौटने का समय शाम को ही है रात का नहीं |और सबसे सुविधाजनक परिधान सूट या साड़ी है| पिछड़े इलाकों में अब भी यौन शिक्षा को लेकर मनाही है | आज भी चाहे वह ग्रामीण इलाका हो या शहरी अधिकांशतः परिवारों में बलात्कार को लेकर बातचीत कम होती है |समाज में इसे शर्म की घटना मानी जाती है और पीडिता के प्रति समाज सहानुभूतिपूर्ण नजरिया रखता है| उत्तरदाताओं के जवाबों से यह अंततः पता चलता है कि समाज में महिलाओं के प्रति मानसिकता परिवर्तित करने की आवश्यकता है और यह तभी हो सकेगा जब महिलाओं को उनके ही देह के प्रति कभी असहज ,गोपनीयता का भाव न रखा जाए वह यौन शुचिता ,पवित्रता के मानदंड से आगे बढे और सशक्त बने|

Finally survey conducted during the field work, observations, conversations with experts reported new facts | The victim's position in society is necessary for normal female | Respondents' answer was shown that the major conflict situation prevailing social Virodbas | the women in the context of the development of women in the society wants that too within their limits | Eg, in an ideal woman should be wise with most respondents replied that he should have character | Boy girl can be good friends, but there is no freedom from physical relations | Still out of the woman's time to come home in the evening is not the night | And is the most convenient dress suits or sarees | Prohibition on sex education is still backward areas | Even today, whether rural or urban, mostly families decrease in discussions for rape | It is considered shameful phenomenon in society and society sympathetic towards the victim's viewpoint | The answers of the respondents show that it eventually need to change the mindset

towards women in society and this can only happen when women never uncomfortable about their own body, she should not be a sense of privacy, chastity, purity criteria and proceeded to empower |